सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शनिवार, 26 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 200, पृष्ठः 8+4

"आप सिर्फ आरक्षी नहीं उत्तर प्रदेश पुलिस के भविष्य हैं"

» Pg 12

इनसाइड डीआईजी ने रिजर्व पुलिस लाइन का निरीक्षण... » Pg 09

22 मिनट में पाकिस्तान को सबक सिखा दिया था भारतीय सेना ने : सीएम योगी

कारगिल विजय दिवस पर लखनऊ में गर्जना, बोले-देश तोड़ने वालों से रहना होगा सतर्क

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारगिल विजय दिवस के 25वें वर्ष पर पाकिस्तान को दो टूक संदेश देते हुए कहा कि भारतीय सेना ने पुलवामा के आतंकी हमले का जवाब देने में 22 मिनट भी नहीं लगाए। सेना ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया और दुश्मन को अमेरिका की शरण में भागने को मजबूर कर दिया।

कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि 'पाकिस्तान ने भारत पर युद्ध थोपा, लेकिन हमारे जांबाज जवानों ने बर्फीली चोटियों पर -50 डिग्री तापमान में भी विजय हासिल कर दिखाई।' उन्होंने कारगिल के नायकों को याद करते हुए कहा कि यह दिन भारत के गौरव, एकता और सैन्य पराक्रम का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने आगाह किया कि 'आज भी कुछ राजनीतिक दल जातिवाद और परिवारवाद के जरिए समाज को बांटने की साजिश कर रहे हैं। यह देश को कमजोर करने वाला एजेंडा है। हमें फिर से किसी विभाजन को जन्म न लेने देना होगा। हमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ आगे बढ़ना है।'

अग्निवीरों को मिलेगा 20 फीसदी आरक्षण : सीएम योगी ने कहा कि राज्य सरकार ने अग्निवीरों को पुलिस भर्ती में 20 फीसदी आरक्षण देने का निर्णय लिया है। साथ ही शहीदों के परिजनों को 50 लाख की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की योजना को सख्ती से लागू किया जा रहा है। शहीद जवानों की स्मृति में उनके गांवों और कस्बों में स्मारक या संस्थान भी स्थापित किए जा रहे हैं।

कारगिल की चोटियों पर तिरंगे की जीत : योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान के राष्ट्रपति उस समय अमेरिका भागे, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कोई अंतरराष्ट्रीय दबाव नहीं झेला। सेना ने दुश्मन को धूल चटा दी और दुनिया को दिखा दिया कि भारत कभी नहीं झुकेगा। 'जो पलायन करते हैं, वो जीतते नहीं। हमारे जवानों ने डटे रहकर इतिहास रच दिया।' इस मौके पर सीएम ने कैप्टन मनोज पांडे, लांस नायक केवलानंद द्विवेदी, रायफल मैन सुनील जंग और मेजर रितेश शर्मा जैसे वीरों के परिजनों को मंच से सम्मानित किया। मेयर सुषमा खर्कवाल ने मुख्यमंत्री की अगवानी की। शहर के स्कूलों की छात्राओं ने 'बेटी हिंदुस्तान की' गीत पर देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति दी।

बेसिक शिक्षा विभाग के

ऑनलाइन मॉड्यूल में खामियां ही खामियां

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। छुट्टियों से लेकर चयन एवं प्रोन्नत वेतनमान, जीपीएफ, एरियर सहित सभी काम ऑनलाइन करने के आदेश हैं लेकिन बेसिक शिक्षा परिषद के पोर्टल पर ऑनलाइन माड्यूल में कई खामियां हैं। इस बारे में डीजी ने समीक्षा की और 15 दिन में इन्हें सुधारने के निर्देश दिए। समीक्षा में देखा गया कि शिक्षकों और कर्मचारियों की लगातार शिकायतें आती हैं और उनका समाधान नहीं होता। इसको लेकर महानिदेशक बेसिक शिक्षा कंचन वर्मा ने बैठक की तो कई खामियां सामने आईं। उन्होंने 15 दिन में इन खामियों को दूर करने के निर्देश दिए हैं। बेसिक शिक्षा विभाग में एक जनवरी से सभी काम ऑनलाइन करने के आदेश दिए गए थे। कई शिकायतें मिलने पर महानिदेशक बेसिक शिक्षा ने बैठक बुलाई थी। इसमें एनआईसी के प्रतिनिधि और बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

कटाक्ष 'लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस को लेकर व्यंग्य कसा'

राहुल गांधी अपने परिवार और पार्टी के लिए समस्या बन चुके हैं : केशव प्रसाद मौर्य

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। चुनाव आते ही नेताओं को न जाने कहां से इतनी ऊर्जा मिल जाती है कि उनके जुबान अपने विरोधियों पर अचानक से हमलावर दिखने लगते हैं। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस और गांधी परिवार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर अपने पोस्ट के माध्यम से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस को लेकर व्यंग्य कसा। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के 'स्थायी अध्यक्ष' राहुल गांधी ने सही फ़रमाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके लिए कोई समस्या नहीं हैं। मौर्य ने आक्रामक रवैया अपनाते हुए कहा कि दरअसल, विरासत के अंहकार में चूर राहुल गांधी अपने परिवार व कांग्रेस के लिए स्वयं ही एक 'स्थायी समस्या' बन चुके हैं।

सांसद राहुल गांधी के राजनीतिक करियर पर हमला बोलते हुए उप मुख्यमन्त्री ने कहा, राहुल गांधी अपने चमत्कारिक व अभूतपूर्व नेतृत्व में कांग्रेस को चार दर्जन से ज्यादा चुनाव हरा चुके हैं। इसके अलावा क़रीब दर्जन भर पूर्व मुख्यमन्त्रियों सहित पार्टी के चार दर्जन बड़े नेताओं ने उनको पीठ दिखा दिया है। अब समस्या यह है कि जब देश साथ नहीं दे रहा है तो राहुल गांधी कुंठा में भारत विरोधी एजेंडा का प्रतीक बन चुके हैं।

कर्मचारी नेता राकेश रावत पर हमला करने की कोशिश, एफआईआर दर्ज

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करना आरटीआई कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे केडीए से साजिशन बर्खास्त कर्मचारी यूनियन नेता राकेश रावत को भारी पड़ रहा है। कर्रही बर्रा निवासी राकेश रावत ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति आयोग को प्रार्थना पत्र भेजकर जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। उन्होंने आयोग से सुरक्षा कर्मी निःशुल्क उपलब्ध कराने की मांग भी की है।

» **कर्मचारी नेता का दावा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर उसकी जान का खतरा बना हुआ है**

» **आरोप हैं कि केडीए के कुछ अधिकारी और कर्मचारी रच रहे फसाने की साजिश**

राकेश रावत ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि उन्होंने केडीए में भ्रष्टाचार से जुड़े कई मामलों को उजागर किया है, जिससे नाराज कुछ अधिकारियों और अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उन्हें लगातार धमकियां दी जा रही हैं। 20 जुलाई 2025 को उनके साथ अभद्रता की गई, जिसकी शिकायत पर किदवई नगर थाने में अज्ञात हमलावरों के खिलाफ एफआईआर संख्या 0164 दर्ज की गई है।

रावत ने कहा है कि वह लगातार अलग-अलग जनपदों में मामले की पैरवी कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा शिकायतों की जांच की जा रही है, लेकिन अब तक उन्हें कोई सुरक्षा नहीं दी गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें झूठे और कूटरचित मामलों में फंसाने की साजिश रची जा रही है।

उल्लेखनीय है कि रावत की शिकायत पर आयोग में मामला SSW-II/®L/UP/2025/283773 विचाराधीन है और प्रधानमंत्री कार्यालय के AVD-1 अनुभाग द्वारा भी जांच की जा रही है।

रावत ने कहा, फ्मैं किसी पर सीधा आरोप नहीं लगा रहा, लेकिन मुझे और मेरे परिवार को कभी भी गंभीर खतरा हो सकता है। मैं चाहता हूं कि मुझे दो सुरक्षा कर्मी तत्काल उपलब्ध कराए जाएं ताकि मैं स्वतंत्र रूप से भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रख सकूं।

उद्योग व्यापार मंडल की बैठक, बिजली संकट और उत्पीड़न पर चिंता, कन्वेंशन सेंटर का नाम बदलने की मांग

डीएम बोले- गलत निलंबन पर अफसरों से जवाब होगा तलब

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उद्योग व्यापार मंडल की बैठक में व्यापारियों ने बिजली संकट और सरकारी विभागों द्वारा उत्पीड़न की शिकायत की। साथ ही, कन्वेंशन सेंटर का नाम श्याम बिहारी मिश्रा के नाम पर रखने की मांग रखी।

कानपुर उद्योग व्यापार मंडल की जिला कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को सिविल लाइंस स्थित होटल में हुई। इसमें अलग-अलग बाजार के संगठनों ने समस्याएं बताईं। कहा कि बिजली संकट दूर करने के साथ खाद्य व जीएसटी विभाग की ओर से हो रहा उत्पीड़न रोका जाए। बताया कि तीन अगस्त को दिल्ली के आकाशवाणी ऑडिटोरियम में व्यापारी सम्मेलन होगा जिसमें केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी को आमंत्रित किया गया है।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने कहा कि मंडल की आम सभा 31 अगस्त को होगी। इसमें जिलास्तरीय त्रैवार्षिक चुनाव की तारीख और आगामी कार्यक्रम तय किए जाएंगे। बैठक में निर्मल त्रिपाठी ने गोविंदनगर बाजार में हर मंगलवार को लगने वाली बाहरी लोगों की बाजार खत्म कराने और व्यापारियों पर दर्ज फर्जी मुकदमे वापस कराने की मांग उठाई। जिलाध्यक्ष सुनील बजाज ने कन्वेंशन सेंटर का नाम पूर्व सांसद स्वर्गीय श्याम बिहारी मिश्रा के नाम पर रखने की मांग की।

मणिकांत जैन ने कहा कि जल्द ही समस्याओं के संबंध में कमिश्नर से मुलाकात की जाएगी। नवीन मार्केट के विनय अरोड़ा और सरताज अहमद ने बताया कि पिछले 22 वर्षों से नगर निगम के पास लगभग ढाई करोड़ से अधिक रुपये जमा हैं, लेकिन कानपुर नगर निगम ने आजतक मालिकाना हक नहीं दिया। विजय गुप्ता ने बताया कि बाजार में खड़ी गाड़ी पर 20 हजार रुपये का चालान किया जा रहा है जिससे व्यापारी परेशान हैं। मौके पर कृपा शंकर त्रिवेदी, रामेश्वर गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, राकेश सिंह, सत्य प्रकाश जायसवाल, टीकम चंद सेठिया, पवन दुबे, रामजी शुक्ला, संत मिश्रा आदि मौजूद रहे।

कानपुर:कांशीराम अस्पताल में चल रहा सीएमएस डॉ चंद्रा का वसूली तंत्र

» गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप को लेकर जिलाधिकारी से गोपनीय शिकायत

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के कांशीराम संयुक्त चिकित्सालय रामादेवी को लेकर एक गंभीर शिकायत जिलाधिकारी कानपुर नगर को सौंपी गई है, जिसमें अस्पताल प्रशासन पर भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और पद के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।प्रार्थना पत्र एक गोपनीय प्राइवेट अस्पताल कर्मचारी द्वारा दिया गया है, जिसमें बताया गया है कि अधीक्षक द्वारा सीधे तौर पर कर्मचारियों पर प्रति ऑपरेशन फिक्स राशि वसूलने का दबाव बनाया जा रहा है।

अस्पताल की लैब में जांच कराने का दबाव इसलिए बनाया जाता है क्योंकि हर जाँच पर लैब इंचार्ज को अधीक्षक को कमीशन देना पड़ता है।

आरोप लगाने वाली नर्स

अधीक्षक द्वारा डॉक्टरों और स्टाफ पर स्पष्ट निर्देश रहता है कि हर केस में 1000 की वसूली की जाए, भले ही मरीज की हालत आर्थिक रूप से खराब हो।जो कर्मचारी इस अवैध वसूली का विरोध करता है, उसे अधीक्षक द्वारा गाली-गलौज, ट्रांसफर या नौकरी से हटाने की धमकी दी जाती है।

शिकायतकर्ता ने लिखा है कि आप (जिलाधिकारी) स्वयं सत्यापन कर सकते हैं — मरीजों के नाम और नंबर जांच के लिए दिए गए हैं।इस शिकायत का उद्देश्य कांशीराम अस्पताल में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर कर जनहित में प्रभावी और निष्पक्ष कार्यवाही सुनिश्चित कराना है।

शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से तत्काल उच्चस्तरीय जांच की मांग की है ताकि अस्पताल का संचालन पारदर्शी ढंग से हो और गरीब मरीजों को आर्थिक शोषण से राहत मिल सके।

सीएमएस नवीन चंद्र का बयान

मैं काम करने वाला व्यक्ति हूं, हर मरीज को सुविधा मिले इसके लिए मैं पूरी मेहनत से लगा हुआ हूं। कुछ लोग हैं जो काम नहीं करना चाहते हैं उन पर सख्ती की जा रही है तो बेवजह शिकायत करके बदनाम कर रहे हैं।

शिकायत में लगाए गए मुख्य आरोप

1. जनरल ऑपरेशन थियेटर (O.T.) में 1000 प्रति केस वसूली
2. लेबर ओ.टी., लेबर रूम और I.O.T. में अलग-अलग वसूली दरें
लेबर ओ.टी. - 500 प्रति मरीज
लेबर रूम - 200 प्रति मरीज
I.O.T. - 500 प्रति मरीज
3. लैब जांचों में भी कमीशन प्रणाली

सीएमएस पर स्टाफ नर्स ने भी लगाए रिश्वत के आरोप

कानपुर। कांशीराम संयुक्त चिकित्सालय की गायनी विभाग की स्टाफ नर्स इंचार्ज मंजू गुप्ता ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. नवीन चंद्र पर डिलीवरी के लिए 200 रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। मंजू का कहना है कि रिश्वत न देने पर उन्हें ट्रेनिंग के बहाने पद से हटाने का दबाव बनाया जा रहा है और मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग में हलचल है।

बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में हरियाली तीज का आयोजन

» छात्राओं ने झूला झूलकर मनाया पर्व

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर।बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज, बेनाझाबर में शुक्रवार को हरियाली तीज उत्सव का पारंपरिक रूप से आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने झूला झूलकर, गीत-संगीत और मेंहदी रचाकर पर्व का आनंद लिया।

समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. पूनम द्विवेदी (विभाग संपर्क प्रमुख) रहीं। उन्होंने हरियाली तीज के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति, कला और संस्कृति से जुड़ाव का प्रतीक है। उन्होंने महिलाओं से किसी न किसी कला से जुड़ने का आह्वान किया।कार्यक्रम में छात्राओं ने पारंपरिक गीतों और नृत्यों की प्रस्तुति दी। शिक्षिकाओं और आचार्याओं द्वारा भी लोकगीत प्रस्तुत किए गए, जिससे कार्यक्रम का वातावरण

सांस्कृतिक रंग में रंग गया।कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका श्वेता द्विवेदी ने किया और आभार शिक्षिका अन्तिमा सिंह ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य बृज मोहन सिंह और उपप्रधानाचार्या मंजूबाला श्रीवास्तव, समस्त शिक्षिकाएं, अभिभाविकाएं और छात्राएं उपस्थित रहीं।

रिश्तेदारी में रंजिश

छींटाकशी बनी झगड़े की वजह

छींटाकशी से शुरू कहासुनी देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदली

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» गांव में पहले भी हो चुका है विवाद, जमीन को बताया जा रहा मूल कारण

» महिलाएं और गर्भवती बहू भी आई चपेट में, श्यामू की हालत गंभीर

बिल्हौर (कानपुर)। गड़ेरियनपुरवा गांव में गुरुवार को मामूली छींटाकशी से शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हुई मारपीट में दोनों पक्षों के करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। श्यामू की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

घटना में महिलाओं और गर्भवती बहू को भी चोटें आईं। ग्रामीणों के मुताबिक, दोनों पक्षों में वर्षों से जमीनी विवाद चला आ रहा है। रिश्तेदारी होने के बावजूद आए दिन कहासुनी होती रही है। बुधवार शाम को भी दोनों परिवारों में टकराव की स्थिति बनी थी, जो टल गई थी। झगड़े के वक्त सुशील पक्ष के लोग घर के पास थे, तभी सुरेश, राजन, बाबू और अनीता पहुंचे और बहस के बाद हमला कर दिया गया। उधर, विपक्षी सुरेश पक्ष का आरोप है कि उनकी बेटियों से अभद्रता की गई, जिससे विवाद बढ़ा। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

गांव में पहले भी भड़की है चिंगारी

गड़ेरियनपुरवा में यह पहला मौका नहीं है जब दोनों परिवारों में टकराव हुआ हो। बुधवार को भी दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी, जो स्थानीय लोगों की दखल से टल गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पंचायत या पुलिस सख्ती करती, तो झगड़ा इस हद तक नहीं पहुंचता।

राढ़ा में ठेका नहीं अड्डा, जहां हर वक्त बिकती है देशी शराब

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर थाना क्षेत्र के राढ़ा गांव स्थित देशी शराब ठेके पर खुलेआम नियमों की अनदेखी हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार ठेके पर सुबह से ही शराब की बिक्री शुरू हो जाती है और यह सिलसिला देर रात तक चलता है। चौंकाने वाली बात यह है कि ठेका संचालक खुद इसी स्थान पर दिन-रात निवास करता है। जिससे यहां चौबीसों घंटे शराब की बिक्री संभव हो जाती है। सूत्रों का दावा है कि यहां तय कीमत से अधिक दामों पर शराब बेची जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि ठेका अब केवल बिक्री का स्थल नहीं रहा, बल्कि अवैध रूप से निवास व जमावड़े का अड्डा बन चुका है। शराब ठेके पर ठहराव न केवल

सुबह-सुबह दीवार की ओट से हो रही शराब की बिक्री।

नियमों का उल्लंघन है, बल्कि आबकारी अधिनियम के तहत यह एक दंडनीय अपराध भी है। आबकारी विभाग की नियमावली के अनुसार, शराब बिक्री स्थल पर संचालक या किसी अन्य का रहना पूर्णतः प्रतिबंधित है। इसके बावजूद ठेके पर संचालक का डेरा डालना विभागीय लापरवाही और मिलीभगत की ओर इशारा करता है। देखना यह होगा कि जिम्मेदार क्या कार्यवाही करते हैं।

बेरोखानपुर में मवेशी चोर सक्रिय लोडर में भर ले गए चार जानवर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर। बेरोखानपुर गांव में मवेशी चोरों ने गुरुवार रात दस्तक दी। ग्रामीणों के अनुसार, अज्ञात चोर लोडर से आए और शरीफ अली व नाजिर अली के बाड़े से चार मवेशी चोरी कर ले गए। घटना का पता सुबह बाड़ा खाली मिलने पर चला। पीड़ितों ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष जनार्दन यादव ने बताया कि चोरी की जांच शुरू कर दी

परिजनों से पूछताछ करती पुलिस

गई है और गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। ग्रामीणों ने रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

याद किया

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में समाजवादी नेताओं ने गिनाया संघर्ष और योगदान

बिल्हौर में वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभाएं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। समाजवादी पार्टी द्वारा शुक्रवार को वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि पर विभिन्न श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर समाजवादी नेताओं, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने भारी संख्या में भागीदारी की और फूलन देवी के संघर्षपूर्ण जीवन को याद किया। बिल्हौर कस्बे में हुए प्रमुख कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष निर्भय सिंह यादव ने कहा कि फूलन देवी ने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध जिस साहस के साथ आवाज बुलंद की, वह भारतीय राजनीति में मिसाल है। नेताजी मुलायम सिंह यादव ने उनके संघर्ष को सम्मान दिया और उन्हें दो बार संसद भेजा। उन्होंने कहा कि फूलन देवी नारी सशक्तिकरण का

ग्रामीणों के साथ पुण्यतिथि मनातीं पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह व सपा कार्यकर्ता।

प्रतीक थीं और समाजवादी आंदोलन की मज़बूत कड़ी भी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिल्हौर सीट से विधायकी की दावेदारी कर रहे विनय कोरी ने कहा कि फूलन देवी का जीवन समाजवादी मूल्यों के प्रति समर्पण का उदाहरण है। पार्टी हमेशा से महिलाओं का सम्मान करती रही है और फूलन देवी की विरासत हमें लड़ने की ताकत देती है। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष साहिर हुसैन जाफरी, श्याम सुंदर यादव, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह यादव, प्रदेश सचिव आशीष सिंह चटरू, नगर अध्यक्ष शहीद अंसारी, महासचिव तौफीक खान समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता

सपा नेता निर्भय सिंह के आवास पर स्व. फूलन देवी की पुण्यतिथि के दौरान सपाई।

शामिल हुए। पार्टी नेताओं ने संयुक्त रूप से वीरांगना को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसी क्रम में ग्राम भूहेरापुर में भी श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें बिल्हौर विधानसभा से समाजवादी पार्टी की पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि हमें उनसे सीखना चाहिए कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना ही असली संघर्ष है। कार्यक्रम में राधेश्याम निषाद, सुनील निषाद, राजू निषाद, लोकेश अवस्थी, शशिकांत पाल, ऋषभ यादव, पंकज भारती, उर्मिला निषाद, सोनी निषाद सहित सैकड़ों ग्रामीण और सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

नियामक एजेंसियों की सख्ती से ही अंकुश

विभिन्न देशों द्वारा आतंकवादियों को दी जाने वाली प्रत्यक्ष व परोक्ष मदद पर नजर रखने वाली वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था यानी एफएटीएफ की हालिया रिपोर्ट चौंकाने वाली है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह सनसनीखेज बात उजागर हुई है कि आतंकवादी वित्तीय संसाधन जुटाने व खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में विस्फोटक पदार्थ का एक भाग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खरीदा गया था। निश्चित रूप से जिस तेजी से आतंक का नेटवर्क ऑनलाइन बाजार का फायदा उठा रहा है, वह कानून की नियामक एजेंसियों के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। बताया जा रहा है कि आतंकवादी इंटरनेट के जरिये विस्फोटक बनाने की तरकीब भी सीख रहे हैं। इंटरनेट से बम बनाने की तकनीक सीखने की खबरों के बीच हमारे नीति-नियंताओं को इस पर अंकुश लगाने की दिशा में गंभीर पहल करनी चाहिए। साथ ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों पर दबाव बनाना चाहिए कि वे आतंकवादियों के लिए मददगार सामान पर सख्ती से अंकुश लगाएं। इससे पहले एफएटीएफ ने संकेत दिए थे कि पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान आतंकवादियों को न केवल पैसा व हथियार दे रहे हैं बल्कि उन्हें ट्रेनिंग देने में भी मदद की जा रही है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि आतंकी मंसूबों को पूरा करने के लिये आतंकवादी ऑनलाइन सेवाओं के जरिये हथियार, रसायन और थ्री डी-प्रिंटिंग सामग्री भी खरीद रहे हैं। यह विडंबना ही है कि आम नागरिकों के जीवन को सरल-सुविधाजनक बनाने के लिये जिन ऑनलाइन सेवाओं की शुरुआत हुई थी, वह अब आतंकवादियों की मदद का साधन बन गई है। विश्व के आतंकवादी संगठन आधुनिक तकनीक के जरिये न केवल अपने मंसूबों को पूरा कर रहे हैं बल्कि पुलिस व कानून से बचने में इंटरनेट उनका मददगार बन गया है। जिसमें आतंक की पाठशाला चलाने वाली सरकारें भी सहायक बनी हैं।विगत के कुछ वर्षों में हुए कुछ बड़े हमलों की जांच में प्रमाणिक रूप से इस बात का खुलासा हुआ है कि अब आतंकी हमलों के लिये खतरनाक ढंग से ऑनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किया गया है। यह विडंबना ही है कि अपराधी व आतंकवादी खुफिया एजेंसियों द्वारा अपराध नियंत्रण के लिये चलाये जा रहे अभियानों को धता बताकर अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने लगे हैं। जिन ऑनलाइन सेवाओं से उपभोक्ताओं की सुविधाओं को विस्तार दिया जा रहा था, उस व्यवस्था के छिद्रों से अपराधियों ने अपनी सुगम राह तलाश ली है। जिस पर सख्त निगाह रखना सरकारों का प्राथमिक दायित्व बनता है। यदि समय रहते इस दिशा में सख्त कदम न उठाये गए तो यह व्यवस्था आतंकवादियों के खतरनाक अभियानों के लिये सुरक्षित रास्ता बन जाएगा। इस बात का उल्लेख प्रधानमंत्री ने हालिया विदेश यात्रा के दौरान कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों से किया। लेकिन पाकिस्तान जैसे कई देश आतंकवाद के विरुद्ध जारी मुहिम को कमजोर करने के प्रयास में जुटे हैं। विडंबना यह है कि पाक खुद को आतंकवाद से पीड़ित दर्शाने का कुत्सित प्रयास कर रहा है। यही वजह है कि गत माह वैश्विक निगरानी संस्था एफएटीएफ ने स्पष्ट किया था कि पहलगाम हमला संस्थागत बगैर वित्तीय मदद के संभव नहीं हो सकता था। निश्चित रूप से एफएटीएफ के इस खुलासे से पाकिस्तान दुनिया के सामने एक बार फिर बेनकाब हुआ है।

समग्र प्रयासों में निहित जल संकट का समाधान

सोमेश गोयल

डे ज़ीरो जैसे गंभीर जल संकट की आशंका से निपटने के लिए नागरिकों को तार्किक उपयोग के जरिये जल की बचत करनी चाहिये। वहीं कृषि क्षेत्र में कम खपत वाले वैकल्पिक उपाय जरूरी हैं। जल प्रबंधन के तकनीकी नवाचार अपनाने की जरूरत है। वहीं जोर जलस्रोत संरक्षण, वर्षा जल संचयन व रिचार्जिंग पर हो।डे ज़ीरो–एक ऐसा शब्द है जो अब केवल एक संभावित आपदा नहीं, बल्कि 21वीं सदी के सबसे गंभीर मानवीय संकटों में से एक का प्रतीक बन चुका है। यह शब्द पहली बार 2018 में वैश्विक स्तर पर चर्चा में तब आया जब दक्षिण अफ्रीका का कैपटाउन शहर पानी की आपूर्ति पूरी तरह समाप्त होने के कगार पर पहुंच गया था। 'डे ज़ीरो' वह दिन होता है जब शहर के सभी नल बंद कर दिए जाते हैं, और नागरिकों को सार्वजनिक वितरण केंद्रों पर लंबी कतारों में खड़े होकर सीमित मात्रा में पानी प्राप्त करना पड़ता है।

कैपटाउन में यह सीमा प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 25 लीटर निर्धारित की गई थी। हालांकि इस संकट का कारण केवल जलवायु परिवर्तन या वर्षा की अनिश्चितता नहीं था—यह दशकों की नीति विफलता, शहरों का अति-विस्तार, परंपरागत जल स्रोतों की उपेक्षा और जल प्रबंधन में बड़ी खामियों का संयुक्त परिणाम था।

कैपटाउन ने कड़ी नीतियों और नागरिक सहभागिता से इस आपदा को कुछ समय के लिए टाल दिया है। लेकिन पानी की गंभीर किल्लत की आहट अब भारत के दरवाज़े तक होने लगी है। भारत जैसे देशों में, जहां जनसंख्या अत्यधिक है, शहरीकरण अनियंत्रित है, और भूजल दोहन पर कोई स्पष्ट नियंत्रण नहीं—डे ज़ीरो अब भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि एक आसन्न यथार्थ है।बेंगलुरु, जिसे कभी 'झीलों का शहर' कहा जाता था, आज जल संकट के सबसे भीषण दौर से गुजर रहा है। यहां की अधिकांश झीलें अब या तो कचरा डंपिंग साइट बन चुकी हैं या अवैध निर्माण की भेंट चढ़ गईं। भूजल स्तर हर वर्ष 10-12 मीटर की दर से नीचे जा रहा है। बेंगलुरु में डे ज़ीरो की आंशिक झलक तब देखने को मिली जब पूरे शहर में टैंकर के पानी पर निर्भरता बढ़ी।चेन्नई भी 2019 में डे ज़ीरो जैसे संकट का सामना कर चुका है जब उसके चारों जलाशय सूख गए थे। वहीं दिल्ली की स्थिति भी बेहतर नहीं—शहर की मुख्य जलधारा यमुना प्रदूषण और अतिक्रमण की शिकार है, जबकि भूजल स्तर अत्यधिक गंभीर श्रेणी में जा चुका है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक भारत के 21 बड़े शहरों में जलापूर्ति पूरी तरह समाप्त हो सकती है।पानी के मामले में हरियाणा की स्थिति भी चिंताजनक है। धान, गन्ने जैसी अत्यधिक जल-खपत वाली फसलों का विस्तार, सिंचाई तकनीकों का अल्प उपयोग और नगण्य वर्षा जल संचयन ने भूजल अंधाधुंध तरीके से समाप्त कर दिया। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार हरियाणा के 85 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रों में भूजल स्तर खतरनाक स्तर पार कर चुका है।भारत में जल संकट के लिए जिम्मेदार केवल वर्षा की अनियमितता नहीं है, बल्कि जल निकायों पर अतिक्रमण, नीति असंगति, शहरी अपशिष्ट का जल स्रोतों में मिलना और लोगों में जल बचत के प्रति उदासीनता जैसे कारक भी उतने ही उत्तरदायी हैं।

जल संकट से निपटने के लिए कई योजनाएं तो बनाई गईं, लेकिन उनका क्रियान्वयन कागज़ी आंकड़ों तक ही सीमित रह गया। मसलन, जल जीवन मिशन को सिर्फ 'हर घर नल' तक सीमित समझा गया, जबकि उसका मूल उद्देश्य स्थानीय जल स्रोतों का सशक्तीकरण और सामुदायिक सहभागिता के ज़रिए जल आत्मनिर्भरता था।इस स्थिति से निपटने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। जल को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानकर नागरिक सहभागिता पर बल देना होगा। जल संरक्षण को जीवनशैली में लाना होगा – जैसे कैपटाउन में लोगों ने बर्तनों में नहाने का पानी जमा कर पौधों को सींचा, हाथ धोते समय नल बंद करना सीखा और शौचालयों में रिसाइकल पानी का प्रयोग शुरू किया।

किसानों को विवशता की हद से मुक्त कराएं

हरित क्रांति

पंकज चतुर्वेदी

बरसों पहले एक फिल्म आयी थी 'मदर इंडिया' इसमें नायिका को अम्बादास की तरह ही हल खींचते हुए दिखाया गया था। बचपन में देखी फिल्म का वह दृश्य आज भी आंखों में आंसू ला देता है। उम्मीद ही की जा सकती है कि उस फिल्म की यह पुनरावृत्ति-अम्बादास का हल जोतना-कहीं न कहीं ज़िम्मेदारी का भाव जगायेगी।हाल ही में सोशल मीडिया पर एक छोटा-सा वीडियो वायरल हुआ था। आपने भी देखा होगा एक बूढ़ा किसान बैल बनकर अपने खेत को जोत रहा है। उसे कितनी ताकत लगानी पड़ रही है इस काम में, इसका अहसास उसके चेहरे को देखकर अनायास ही हो जाता है। उसके पीछे से टेका देने का काम उसकी बूढ़ी पत्नी कर रही है। यह चित्र लगभग 70 वर्षीय किसान अम्बादास पवार और उसकी पत्नी का है। चार बीघा जमीन है दोनों के पास। पर हल चलाने के लिए बैल खरीदना उसके बस की बात नहीं है। इसलिए वह खुद बैल बन गया है!

ज्ञातव्य है कि यह दृश्य उस महाराष्ट्र का है जिसकी गणना देश के विकसित राज्यों में होती है। ज्ञातव्य यह भी है कि देश में किसानों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं में महाराष्ट्र के किसानों की संख्या सर्वाधिक है- पिछले तीन महीनों में अर्थात? अप्रैल, मई, जून, 2025 में महाराष्ट्र में 767 किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा है! पिछले दस सालों में यह आंकड़ा औसतन प्रतिदिन दस आत्महत्याओं का पड़ता है। पचपन साल पहले देश में हरित क्रांति हुई थी। यह एक सच्चाई है। कृषि क्षेत्र में हमारे कृषि वैज्ञानिकों और हमारे किसानों ने 1970 में इस सच्चाई को साकार किया था। लेकिन यह सच्चाई जितनी मीठी है, उतनी ही कड़वी यह सच्चाई भी है कि हरित क्रांति के बावजूद हमारे किसानों की हताशा के फलस्वरूप देश में होने वाली आत्महत्याओं की संख्या लगातार डरावनी बनी हुई है। किसानों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं का यह शर्मनाक सिलसिला हरित क्रांति के चार-पांच साल बाद ही शुरू हो गया था!

इसका कारण खोजने की आवश्यकता नहीं है, यह एक खुला रहस्य है कि कृषि क्षेत्र में विकास के सारे दावों के बावजूद अधिसंख्य किसान अभावों की जिंदगी ही जी रहे हैं। इस दौरान बड़े-बड़े दावे हुए हैं किसानों के विकास के। करोड़ों-करोड़ों रुपया कथित 'खुशहाल किसानों' की तस्वीर दिखाते विज्ञापनों पर खर्च हो रहा है; हर किसान का बैंक खाता होने का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि विज्ञापनों की सच्चाई और स्थिति की भयावहता कुछ और ही वर्णन कर रही है। यदि हमारा अन्नदाता सचमुच समृद्ध होता जा रहा है तो फिर देश की अस्सी करोड़ आबादी मुफ्त अनाज लेने के लिए विवश क्यों है? इस मुफ्त अनाज को भले ही कुछ भी नाम दिया जाये, पर हकीकत यही है कि सरकार के सारे दावों और वादों के बावजूद देश का औसत किसान आज भी ऋण में पैदा होता है, ऋण में जीता है और ऋण में ही मरने के लिए शापित है। यह शाप कब दूर होगा?किसानों की दुर्दशा के जो कारण बताये जाते हैं, उनमें सबसे पहला स्थान ऋण का ही है। साहूकारों से, बैंकों से और अन्य सरकारी एजेंसियों से हमारा किसान ऋण लेता है। और यह ऋण समाप्त होने का नाम ही नहीं लेता! जिन्हें ऋण मिल जाता है, उनकी जिंदगी उसे चुकाने में ही कट जाती है। यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना ज़रूरी है कि भारत का किसान उन उद्योगपतियों की तुलना में कहीं अधिक ईमानदार है जो बैंकों से अरबों का ऋण लेते हैं और या तो स्वयं को दिवालिया घोषित कर देते हैं या फिर विदेश में कहीं ऐसी जगह पर बस जाते हैं जहां से उन्हें भारत प्रत्यर्पित करना आसान नहीं होता। अरबों-खरबों के इन देनदारों को इस बात से भी कोई अंतर नहीं पड़ता कि दुनिया उन्हें बेईमान कह रही है। उनकी तुलना में हमारा किसान कहीं अधिक शर्मदार है।

(पवित्र सावन माह पर विशेष लेख)

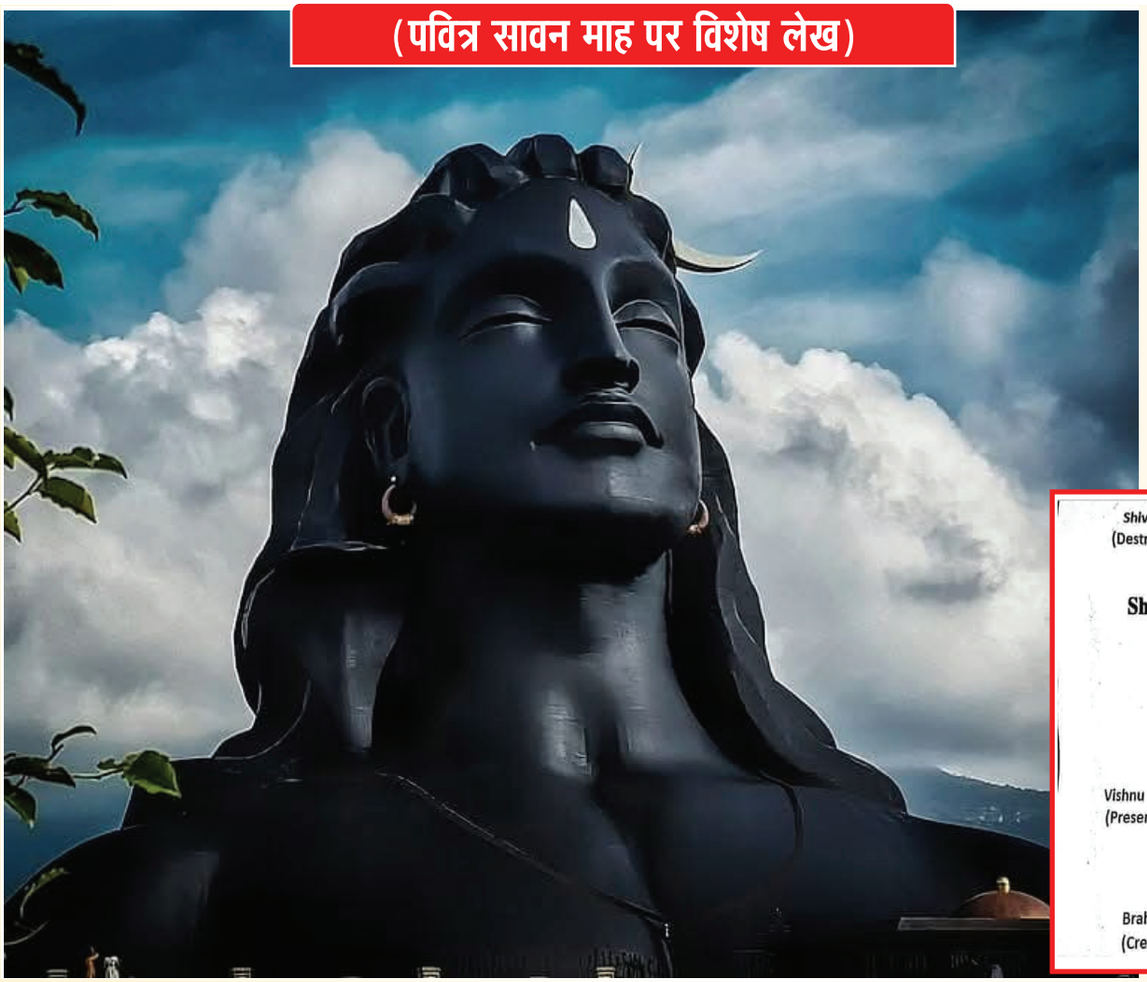

एक वैचारिक तथ्य है कि नर्मदा के हर कंकर को शंकर कहते हैं शिव नहीं। तो क्या शिव और शंकर में भेद है और यदि है तो शिव कौन है? शास्त्रों में वर्णित व्याख्या कहती है कि-शिव समस्त ब्रम्हांड हैं शिव वह चेतना है जहाँ से सब कुछ आरम्भ होता है जहाँ सबका पोषण होता है और जिसमें सब कुछ विलीन हो जाता है क्योंकि पूरी सृष्टि ही शिव में विद्यमान है कुछ भी शिव से बाहर नहीं है यहाँ तक मन और शरीर तक शिवतत्व से ही बना हुआ है इसलिए शिव को विश्वरूप भी कहते हैं। शिव शाश्वत है, शिव समाधि है क्योंकि शिव चेतना की जागृत, निद्रा और स्वप्न अवस्था से परे हैं। शिव पुराण के अनुसार देव,दनुज,ऋषि, महर्षि,मुनींद्र,सिद्ध,गन्दर्भ ही नहीं अपितु ब्रह्मा विष्णु भी शिव की उपासना करते हैं शिव पंच देवों में प्रधान अनादि सिद्ध परमेश्वर हैं।

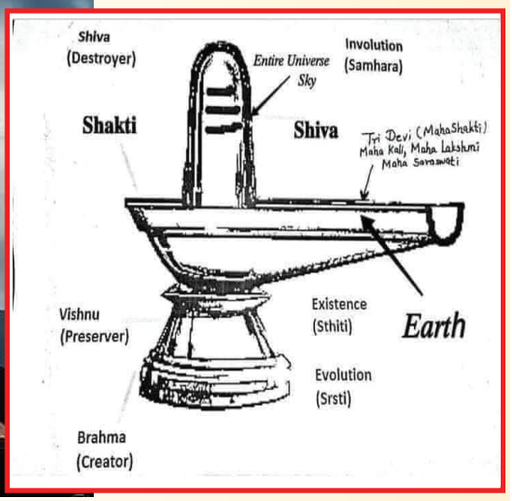

शिवशंकर और शिवलिंग में क्या है अंतर...

एक वैचारिक तथ्य है कि नर्मदा के हर कंकर को शंकर कहते हैं शिव नहीं। तो क्या शिव और शंकर में भेद है और यदि है तो शिव कौन है? शास्त्रों में वर्णित व्याख्या कहती है कि–

शिव समस्त ब्रम्हांड हैं शिव वह चेतना है जहाँ से सब कुछ आरम्भ होता है जहाँ सबका पोषण होता है और जिसमें सब कुछ विलीन हो जाता है क्योंकि पूरी सृष्टि ही शिव में विद्यमान है कुछ भी शिव से बाहर नहीं है यहाँ तक मन और शरीर तक शिवतत्व से ही बना हुआ है इसलिए शिव को विश्वरूप भी कहते हैं।शिव शाश्वत है, शिव समाधि है क्योंकि शिव चेतना की जागृत, निद्रा और स्वप्न अवस्था से परे हैं।卐 शिव पुराण 卐के अनुसार देव,दनुज,ऋषि, महर्षि,मुनींद्र,सिद्ध,गन्दर्भ ही नहीं अपितु ब्रह्मा विष्णु भी शिव की उपासना करते हैं शिव पंच देवों में प्रधान अनादि सिद्ध परमेश्वर हैं।

शिव शून्य भी है इस सृष्टि में सब कुछ शून्यता से आता है और वापस शून्य में ही चला जाता है ये आधुनिक विज्ञान की व्याख्या है ठीक इसी तरह सब कुछ शिव से आता है फिर शिव में ही चला जाता है ।शिव ही समस्त जगत की सीमा है शिव अनादि अनन्त है।शिव सभी विपरीत मूल्यों में उपस्थित हैं इसलिए उन्हें रुद्र कहते हैं।जो कि ज्योति बिंदु स्वरूप है और जो शंकर में प्रवेश करके समस्त कल्याणकारी कार्य करवाते है अर्थात शिव कल्याण हैं शिव तत्व है,शिव सत्य है तथा ,शिव आनंद है। शिव स्वयंभू हैं और शाश्वत सर्वोच्च सत्ता है।

अगला विचार है कि शिवलिंग क्या है?

शिवलिंग अनन्त शिव की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार जब ब्रह्मा और विष्णु शिवस्वरूप ज्योति का आदि और अंत नहीं खोज पाए तो प्रतीकात्मक रूप में शिवलिंग अस्तित्व में आया शिवलिंग भगवान शिव की निराकार सर्वव्यापी वास्तविकता का प्रतीक है शिवलिंग शिव की रचनात्मक और विनाशकारी दोनों ही शक्तियों का प्रतीक है ये सृजन ज्योत है अर्थात शिवलिंग परमपुरुष शिव का प्रकृति के साथ समन्वित चिन्ह है। शिवपुराण में शिवलिंग की उत्पत्ति का वर्णन अग्नि स्तम्भ के रूप में किया गया गया है जो अनादि व अनन्त है।

लिंगपुराण के अनुसार शिवलिंग निराकार ब्रह्मांड वाहक है। ऊपरीअंडाकार हिस्सा ब्रह्मांड का प्रतीक है और निचला हिस्सा पीठम है जो ब्रह्मांड को पोषण व सहारा देने वाली सर्वोच्च शक्ति है। वेदानुसार शिवलिंग ज्योतिर्लिंग यानि व्यापक ब्रह्मात्मलिंग है जिसका अर्थ होता है व्यापक प्रकाश।या कहें शिवलिंग पूर्ण ऊर्जास्त्रोत है विज्ञान और धर्म की समन्वित व्याख्या के आधार पर न्यूक्लियर रिएक्टर के अलावा सभी ज्योतिर्लिंगों के स्थान पर सबसे ज्यादा रेडियेशन पाया जाता है अर्थात शिवलिंग न्यूक्लियर रिएक्टर्स हैं इसीलिए उनका जलाभिषेक होता है ताकि वे शांत रहें , हमारे भाभा एटामिक न्यूक्लियर रिएक्टर्स की संरचना ठीक शिवलिंग जैसी ही है।महादेव के सभी प्रिय प्रदार्थ जैसे विल्बपत्र,गुड़हल,धतूरा इत्यादि सभी न्यूक्लियर एनर्जी को सोखने वाले पदार्थ हैं तभी वे शिवलिंग पर अर्पित किए जाते हैं। इसी तरह शिवलिंग पर चढ़ाया जल रिएक्टिव हो जाता है इसलिए उसे लांघा नहीं जाता। और यही जल जब किसी नदी में मिल जाता है तब वह औषधि का रूप ले लेता है। निश्चित ही शिवलिंग ब्रह्मांडीय ऊर्जा के आधार हैं..शिव और शिवलिंग के रहस्य को समझने के बाद एक प्रश्न और भी है कि शंकर कौन हैं?

पुराणों के आधार पर भगवान शंकर शिव का साकार रूप है शिव ही शंकर में प्रवेश करके ऐसे सभी महानतम कार्य करवाते हैं जो कोई नहीं कर सकता अर्थात शंकर एक निर्माणकर्ता,नियंत्रणकर्ता,संचालनकर्ता व रचनाकार हैं।जो आदि सिद्ध योगी महातपस्वी रूप में आनन्ददाता,जीवनदाता, एक आचार्य एक अवधूत के रूप में हर युग में में विधमान शाश्वत सत्य मूर्ति है।। शिव रचयिता है और शंकर उनकी रचना।शिव ब्रह्मलोक में परमधाम के निवासी है और शंकर सूक्ष्म लोक में रहने वाले हैं। शंकर तपस्वी रूप में साकारी देव हैं जो सृष्टि के विलय के कार्य का भार वहन करते हैं। शंकर ही महेश हैं जो देवी पार्वती के पति हैं। शिव और शंकर में उतना ही अंतर है जितना एक मूर्ति और उसके मूर्तिकार में चूंकि शंकर शिव की रचना है इसलिए उन्हें अपने प्रतिनिधित्व में शिव का ध्यान करते हुए देखा जाता है अपने तपस्वी स्वभाव के कारण त्रिदेवों में शंकर ही शिव के अति निकट है।

शिव, शंकर और शिवलिंग तीनों का बहुत गहरा सम्बन्ध आदिशक्ति पराशक्ति माँ नर्मदा से है। इस पूरे ब्रह्मांड में सिर्फ एक माँ नर्मदा का द्वार ही है जहां शिव, शंकर व शिवलिंग तीनों एक साथ विधमान रहते हैं। माँ नर्मदा ही वह परम् शक्ति है जिसका प्राकट्य शिव की देह से हुआ और आदि अनादि काल से नर्मदा परमब्रह्म के संयुक्त विग्रह शिवलिंग (नर्मदेश्वर)का अनवरतनिर्माण कर रही है। माँ नर्मदा के तट और पथ पर चलने वालों को शंकर सहज रूप में मिलते हैं। सत्य ,तत्व,ब्रह्म और सद्गुरु के रूप। अत: शिव से प्रकट हुई नर्मदा शिवलिंग की निर्माणकर्ता है और उसका तट और पथ शंकर का आसन है।इसलिए नर्मदा ही शाश्वत सत्य है जिसके दर्शन मात्र से शिव शंकर और शिवलिंग का सानिध्य प्राप्त होता है।

तीन साल तक बनाता रहा संबंध, अब कहा 'मैं पहले से शादीशुदा हूं'

» इंस्टाग्राम से शुरू हुई थी पहचान, होटल में शारीरिक संबंध और जबरन अबॉर्शन का लगाया आरोप

» फोन ब्लॉक कर किए किनारा, भाई पर भी अभद्रता का आरोप; कॉल रिकॉर्डिंग बतौर साक्ष्य उपलब्ध

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। थाना जाजमऊ क्षेत्र की एक युवती ने हरदोई के एक युवक पर तीन वर्षों तक लिव-इन रिलेशन में रखकर धोखा देने, शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने और जबरन गर्भपात कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

युवती ने बताया कि उसकी मुलाकात इंस्टाग्राम के ज़रिए ट्रक ड्राइवर रिज़वान अहमद अंसारी से हुई थी।

बातचीत बढ़ने पर रिज़वान ने शादी का वादा कर उसे अपने साथ लिव-इन में रखा। इस दौरान आरोपी ने होटल में कई बार संबंध बनाए,

जिससे युवती गर्भवती भी हुई, लेकिन हर बार जबरन दवा खिलाकर उसका मेडिकल

अबॉर्शन कराया गया।

आरोप- ब्लॉक कर तोड़ा रिश्ता, भाई ने की अभद्रता

पीड़िता का कहना है कि जब उसने शादी की बात दोहराई और उधार दिए 80,000 रुपए मांगे, तो आरोपी ने उसे सोशल मीडिया

और फोन पर ब्लॉक कर दिया। इसके बाद जब युवती ने कॉल की, तो आरोपी की पत्नी ने फोन उठाया

और सच्चाई सामने आ गई कि युवक पहले से शादीशुदा है। मामले में आरोपी के भाई मुजामी पर भी फोन पर गाली-गलौज और अश्लील भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाया गया है, जिसकी कॉल रिकॉर्डिंग पीड़िता के पास मौजूद है।

कानपुर-प्रयागराज हाईवे बना जानलेवा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में चकेरी से पुरवामीर तक कानपुर-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर एनएचएआई की लापरवाही और वाहन चालकों की मनमानी ने हाईवे को बेहद जानलेवा बना दिया है। एनएचएआई द्वारा अवैध कट बंद किए जाने के बाद, राहगीरों को अंडरपास तक पहुंचने के लिए चार से पांच किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ रहा है।इस वजह से परेशान होकर

लोग विपरीत दिशा में वाहन दौड़ाने को मजबूर हैं, जिससे सड़क हादसों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को सोशल मीडिया पर एक चौंकाने वाला वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक जेसीबी मशीन डिवाइडर फांदकर बीच हाईवे पर उल्टी दिशा में दौड़ती नजर आई। यह खतरनाक नजारा महाराजपुर थाना क्षेत्र के नरवल मोड़ के पास का है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की लापरवाहियां बड़े हादसों को जन्म देती हैं,

लेकिन प्रशासन आंखें मूंदे बैठा है। एनएचएआई और पुलिस प्रशासन द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इलाके के लोगों ने तत्काल सड़क सुरक्षा के उपाय करने और हाईवे पर ऐसे खतरनाक व्यवहारों को रोकने की मांग की है।

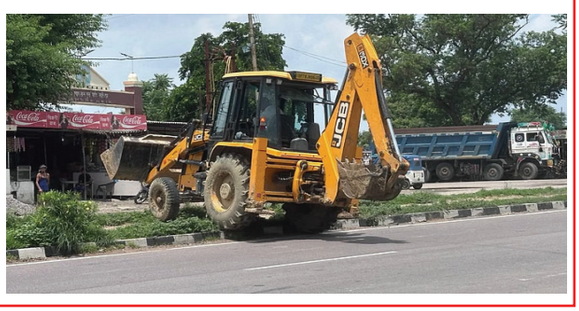

शिक्षामित्रों की मुख्यमंत्री योगी से गुहार

नियमितीकरण और सम्मानजनक मानदेय की मांग पर मुख्यमंत्री से अपील

» कानपुर देहात के जिला अध्यक्ष व प्रदेश प्रवक्ता श्याम सिंह भदोरिया ने कहा कि शिक्षामित्र को दिया जाए सम्मानजनक मानदेय

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में दो दशकों से कार्यरत शिक्षामित्रों की पीड़ा एक बार फिर मुखर हुई है।

शिक्षामित्र संघ, कानपुर देहात के जिला अध्यक्ष व प्रदेश प्रवक्ता श्याम सिंह भदोरिया ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित करते हुए एक जनहित अपील जारी की है।

उन्होंने शिक्षामित्रों की दशकों की सेवा और उनके अधिकारों की उपेक्षा का मुद्दा उठाते हुए सरकार से चार प्रमुख मांगें रखी हैं।

नियमितीकरण

शिक्षामित्रों को अनुभव के आधार पर प्राथमिक शिक्षक के पद पर स्थायी किया जाए। मानदेय में वृद्धि वर्तमान 10,000 मानदेय को बढ़ाकर 25,000 प्रतिमाह किया जाए ताकि वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें चिकित्सा बीमा, पेंशन व अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ शिक्षामित्रों को मिले।

विद्यालयों में निर्णय प्रक्रिया में शिक्षामित्रों की भागीदारी और अधिकार सुनिश्चित हों।

श्याम भदोरिया ने कहा कि शिक्षामित्रों ने अपनी पूरी जवानी बच्चों की शिक्षा में लगा दी।

अब सरकार का नैतिक कर्तव्य है कि उनके भविष्य की चिंता करे।

उन्होंने चेताया कि यदि सरकार ने शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो शिक्षामित्रों में असंतोष और आंदोलन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा— शिक्षामित्र शिक्षा का आधार हैं — उन्हें अनदेखा करना, शिक्षा को अनदेखा करना है।

खरीफ फसलों पर केंद्रित आत्मा योजना की गोष्ठी, किसानों को मिला तकनीकी मार्गदर्शन

» प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा, किसानों में जागरूकता फैलाने पर ज़ोर

फसल बीमा, सिंचाई योजना व मिनी किट वितरण की मिली जानकारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ब्लॉक परिसर राजपुर में शुक्रवार को राजकीय कृषि बीज भंडार के प्रभारी विनय कुमार के नेतृत्व में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनांतर्गत एकदिवसीय खरीफ फसल किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।गोष्ठी में कृषि विशेषज्ञ ओम नारायण पाल ने खरीफ फसलों की समय से बुआई, मोटे अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, सावा, कोदो आदि की तकनीकी खेती पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, जैविक दवाओं और खादों के प्रयोग को बढ़ावा देने की बात कही।

रॉयल क्रॉप साइंस के एरिया मैनेजर डॉ. राजीव मणि त्रिपाठी ने सिंचाई योजनाओं और खेत-तालाब योजना की जानकारी साझा की और किसानों से विभागीय योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। वहीं, कावेरी कंपनी के एरिया मैनेजर केपी सिंह ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना के लाभ को रेखांकित करते हुए कहा कि किसान 31 जुलाई तक हर हाल में प्रीमियम जमा कर योजना का लाभ उठाएं।

गोष्ठी के अंत में उपस्थित किसानों को मिनी किट वितरित किए गए। कार्यक्रम में कैलाश नाथ कटियार (ब्लॉक अध्यक्ष किसान यूनियन), कुलदीप सिंह (मंडल अध्यक्ष), सुरेन्द्र कटियार (तहसील अध्यक्ष), क्रांतिवीर सिंह (पूर्व मंडल अध्यक्ष), मुलायम सिंह (प्रगतिशील किसान), नीरज कुमार (कंप्यूटर ऑपरेटर), सुशील कुमार, धीरेन्द्र कुमार, प्रवीण अग्निहोत्री (प्राविधिक सहायक), ऋषि यादव (बीटीएम), दिलीप यादव (एटीएम) सहित दर्जनों गांवों से आए सैकड़ों किसानों ने भाग लिया।

रसूलाबाद में झाड़ियों के बीच मिली नवजात बच्ची, मानवता को किया शर्मसार

» किसान को सुनाई दी बच्ची की रोने की आवाज, परिवार ने की प्राथमिक देखभाल

» चाइल्ड हेल्पलाइन व प्रशासन ने दिखाई तत्परता, बच्ची भर्ती

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र के लालगांव में झाड़ियों के बीच एक अज्ञात नवजात दुधमुंही बच्ची मिलने से सनसनी फैल गई। 24 जुलाई 2025 को क्षेत्रीय लोगों की सूचना पर चाइल्ड हेल्पलाइन कानपुर देहात सक्रिय हुई और थाना रसूलाबाद को तत्काल सूचना दी गई। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देश और जिला प्रोबेशन अधिकारी रेनू यादव के मार्गदर्शन में हेल्पलाइन टीम मौके पर पहुंची।

ग्राम प्रधान व ग्रामीणों के अनुसार, 23 जुलाई की सुबह लगभग 10 बजे किसान रामबाबू व उनका बेटा खेत में खाद डालने गए थे, तभी पुलिया के पास झाड़ियों से बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दी। जाकर देखा तो नवजात बिना कपड़ों के झाड़ियों में पड़ी थी। किसान के परिवार द्वारा बच्ची को सुरक्षित उठाकर उसकी प्राथमिक देखभाल की गई।

प्रशासन की कार्यवाही और अपील

चाइल्ड हेल्पलाइन की परियोजना समन्वयक रिचा तिवारी ने बताया कि बच्ची को हेल्पलाइन ने अपने संरक्षण में लिया और प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी रसूलाबाद में दिखाया गया। तत्पश्चात, बाल कल्याण समिति को सूचना देकर बच्ची को जिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है। बच्ची के माता-पिता या परिजनों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को बच्ची या उसके परिवार के बारे में कोई जानकारी हो तो वह बाल कल्याण समिति कानपुर देहात, जिला प्रोबेशन कार्यालय अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क कर जानकारी साझा करें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

डीआईजी ने रिजर्व पुलिस लाइन का निरीक्षण कर रिक्रूट आरक्षियों से की सीधी बातचीत

शंकर सिंह/स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। पुलिस उप महानिरीक्षक, कानपुर रेंज, हरीश चंदर ने रिजर्व पुलिस लाइन, जनपद कानपुर देहात का दौरा कर रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण और अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, आवासीय सुविधाएं, बिजली-पानी की उपलब्धता और भोजनालय में उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता व स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं का जायज़ा लिया।

» **प्रशिक्षण, भोजन, आवास और स्वच्छता व्यवस्थाओं का लिया जायज़ा**

» **रिक्रूट आरक्षियों ने व्यवस्थाओं पर जताई संतुष्टि, डीआईजी ने दिए आवश्यक निर्देश**

निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने रिक्रूट आरक्षियों से सीधी बातचीत कर उनकी समस्याओं और अनुभवों को समझा। आरक्षियों ने संस्था प्रमुख द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया।

सुव्यवस्थित प्रशिक्षण और अनुशासन पर दिया गया विशेष ज़ोर

डीआईजी हरीश चंदर ने प्रशिक्षण केंद्र में अनुशासन, प्रशिक्षण के अनुकूल माहौल, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और बैरकों की स्थिति का भी प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि सभी गतिविधियाँ पुलिस विभाग के मानकों के अनुरूप संचालित हों। निरीक्षण के अंत में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय, क्षेत्राधिकारीगण, प्रतिसार निरीक्षक समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सफाईकर्मियों की लापरवाही से बदहाल शेरपुर, बजबजा रही नालियां

» **ग्राम प्रधान और सचिव भी दिखा रहे अनदेखी, गांव में पसरा गंदगी का अंबार**

» **बीडीओ ने दिए तत्काल सफाई के निर्देश, लापरवाही पर होगी कार्रवाई**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के ग्राम पंचायत गुड़ा के मजरा शेरपुर गांव में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। ग्रामीणों की शिकायत है कि सफाई कर्मचारी महीनों से गांव नहीं आया, जिससे नालियां पूरी तरह से चोक हो गई हैं। बजबजाती नालियों और गलियों में फैले दूषित पानी और कीचड़ से ग्रामीणों का जीवन नरक बन गया है। चारों ओर गंदगी का अंबार लगा है लेकिन ग्राम प्रधान और सचिव इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे। ग्रामीणों ने कई बार सफाई कर्मी की शिकायत सचिव और ब्लॉक अधिकारियों से की, यहां तक कि जीपीएस मैपिंग तक हो चुकी है, लेकिन फिर भी जिम्मेदार

कर्मचारी लापरवाह बने हुए हैं। गांव के लोग बता रहे हैं कि गंदगी के कारण मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है और बच्चों व बुजुर्गों की तबीयत भी बिगड़ने लगी है।

प्रशासन की प्रतिक्रिया

खंड विकास अधिकारी मलासा संजय कुमार कनौजिया ने बताया कि यह जानकारी प्राप्त होते ही एडीओ पंचायत को तत्काल सफाई कार्य के निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जल्द ही गांव की सफाई कराई जाएगी और दोषी कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

सांसद और विधायक निधि के कामों की जिलाधिकारी ने की सख्त समीक्षा

» **सत्यापन रिपोर्ट में देरी पर जताई नाराज़गी, कार्यदायी संस्थाओं को मिली चेतावनी**

सत्यापन में लापरवाही पर तय होगी जिम्मेदारी, दोबारा होगी समीक्षा बैठक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार में आयोजित बैठक में सांसद निधि एवं विधायक निधि से कराए गए विकास कार्यों की सत्यापन रिपोर्टों की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों की निधियों से कराए गए कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया कि वे समयबद्ध तरीके से क्वॉस वेरिफिकेशन रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पूर्व में दिए गए निर्देशों के बावजूद अब तक सत्यापन रिपोर्ट समय पर उपलब्ध नहीं कराई गई है, जो अत्यंत गंभीर लापरवाही है। उन्होंने सभी संबंधित संस्थाओं को निर्देशित किया कि वे तत्काल सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत करें, अन्यथा जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

समीक्षा का अगला चरण होगा और भी सख्त

जिलाधिकारी ने कहा कि अगली समीक्षा बैठक सत्यापन रिपोर्ट के फोटोग्राफ्स, तकनीकी और भौतिक जांच सहित विस्तृत प्रस्तुति के साथ आयोजित की जाएगी। उन्होंने अपर जिलाधिकारी प्रशासन के माध्यम से यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर विलंब न हो। चेतावनी देते हुए कहा गया कि यदि सत्यापन कार्य में लापरवाही पाई गई, तो संबंधित अधिकारी एवं संस्थाएं कार्रवाई से नहीं बचेंगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन., अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए, लोक निर्माण विभाग, आरईएस, ग्राम्य विकास सहित अन्य कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पॉश इलाके में अफसर दंपति का आतंक!

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

मोहल्लेवासियों ने लगाया अतिक्रमण, धमकी और मनमानी का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में रहने वाले एक वरिष्ठ पीपीएस-पीसीएस दंपति की दबंगई इन दिनों पूरे मोहल्ले के लिए सिरदर्द बनी हुई है।

क्षेत्रीय नागरिकों ने इन अफसरों के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई है। वायरल प्रार्थना पत्र के मुताबिक, अपर नगर आयुक्त लखनऊ सुश्री नम्रता सिंह और उनके पति श्री अमित सिंह, पुलिस उपाधीक्षक (क्राइम) पर गंभीर आरोप लगे हैं। दोनों पति-पत्नी विजयन खंड, गोमतीनगर के मकान संख्या 1/323 में रहते हैं।

शिकायत के बावजूद नहीं हो रही सुनवाई

पीड़ितों का कहना है कि कई बार उच्च अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उल्टा शिकायत करने पर और अधिक अभद्रता और धमकियों का सामना करना पड़ा है।

निवासियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है कि इस अफसर दंपति की दबंगई पर लगाम लगाई जाए और कॉलोनी के शांतिपूर्ण वातावरण को फिर से बहाल किया जाए।

मोहल्लेवासियों के आरोप

1. अतिक्रमण कर बनाया निजी गेट व पार्किंग

सुश्री नम्रता सिंह द्वारा मकान के कॉर्नर पर जबरन गेट बनाकर सरकारी नाले को ढककर अवैध पार्किंग बना दी गई है। बारिश का पानी रुकने से जलभराव की स्थिति बन रही है।

2. सड़क को बताया निजी संपत्ति

अफसर दंपति के सुरक्षाकर्मियों द्वारा पड़ोसियों को धमकी दी जाती है कि आधी सड़क हमारी है, कोई गाड़ी न खड़ी करे।

3. चार-चार सरकारी/राजनीतिक वाहन खड़े

दो नीली बत्ती लगी इनोवा, एक स्कॉर्पियो (जिस पर बीजेपी का झंडा लगा है), और एक इंडिका गाड़ी को स्थायी रूप से कॉलोनी में जगह-जगह पार्क कर दिया गया है।

4. वरिष्ठ नागरिकों को भी नहीं बख्शा

पड़ोसी प्रभु नारायण श्रीवास्तव, जो आरएसएस के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं, उन्हें गाड़ी खड़ी करने के लिए भटकना पड़ रहा है। उनका मानसिक उत्पीड़न हो रहा है।

5. पद के दुरुपयोग और धमकाने का आरोप

दंपति द्वारा पद और सत्ता का गलत इस्तेमाल करते हुए लोगों को धमकाया जा रहा है।

थाने का भी राजनीतिक दुरुपयोग किया जा रहा है — विभूतिखंड थाना प्रभारी पर पक्षपात का आरोप है।

सरकारी पद जनता की सेवा के लिए होते हैं, न कि निजी रौब दिखाने के लिए

मथुरा के संस्कृति विवि में 1-2 अगस्त को मेगा जॉब फेयर

100 से अधिक कंपनियां, 2000 से ज्यादा नौकरियां, फ्री रजिस्ट्रेशन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

मथुरा। देशभर के नौकरी की तलाश में जुटे युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर सामने आया है। संस्कृति विश्वविद्यालय, मथुरा आगामी 1 और 2 अगस्त को एक मेगा जॉब फेयर आयोजित करने जा रहा है। इस आयोजन में देश-विदेश की 100 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी और 2000 से ज्यादा नौकरियों के लिए युवाओं को अवसर देंगी।

इस जॉब फेयर में शामिल होने के लिए अब तक जिन प्रमुख कंपनियों ने अपनी सहमति दी है, उनमें शामिल हैं

जेनपेक्ट,	नौकरी डॉट कॉम,
आरके ग्रुप,	बिग एफएम,
जस्ट डायल,	ब्लिंकिट,
दैनिक जागरण,	गोल्डी मसाले,
टेक महिन्द्रा,	याकुमा (जापान)
कोका-कोला,	आदि।
फ्लिपकार्ट,	

खास बात यह है कि यह आयोजन पूरी तरह से निशुल्क है और इसमें किसी भी विश्वविद्यालय या कॉलेज से पासआउट हुए विद्यार्थी सीधे रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. सचिन गुप्ता ने बताया कि यह जॉब फेयर सिर्फ संस्कृति विवि के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के ऐसे विद्यार्थियों के लिए है जो किसी कारणवश अभी तक नौकरी से वंचित रह गए हैं। उनका कहना है, हर युवा के सपनों को पूरा करने में अगर मैं कोई भूमिका निभा सकता हूं तो मैं जरूर करूंगा।

इस जॉब फेयर का उद्देश्य युवाओं को रोज़गार के साथ-साथ अनुभव और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना है। यही कारण है कि इस आयोजन की पूरी रूपरेखा और प्रबंधन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा ही किया जा रहा है, जिससे उन्हें व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होगा।

डॉ. सचिन गुप्ता, कुलाधिपति

याकुमा कंपनी ने तो यहां तक कहा है कि छात्राओं के लिए उनके पास असीमित अवसर उपलब्ध हैं। वहीं रेलवे से जुड़ी आरके ग्रुप को 1000 से अधिक पदों के लिए युवाओं की आवश्यकता है।फैशन इंडस्ट्री, एफएम रेडियो, एग्रो व एनीमेशन सेक्टर से जुड़ी कंपनियां भी इस जॉब फेयर में भाग लेंगी।

डॉ. सचिन गुप्ता ने बताया कि संस्कृति विवि पहले ही अपने विद्यार्थियों के लिए उच्च स्तर पर प्लेसमेंट सुनिश्चित कर चुका है, और अब यह अवसर पूरे देश के लिए खोला गया है।

रजिस्ट्रेशन पूरी तरह फ्री है और इच्छुक विद्यार्थी सीधे विश्वविद्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

साकेत महाविद्यालय में प्रमोशन के बदले वसूली का पर्दाफाश

शिक्षक बोले काम नहीं हुआ तो पैसा लौटा दिया, वीडियो रिकॉर्डिंग में कबूलनामे दर्ज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। शिक्षा के मंदिर साकेत महाविद्यालय से एक बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। महाविद्यालय में पदोन्नति, नियुक्ति और एनओसी जैसे कार्यों के लिए शिक्षकों और कर्मचारियों से खुलेआम धन वसूली की गई। जांच रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। इस पूरे मामले में विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के वर्तमान अध्यक्ष डॉ. जन्मेजय तिवारी की सीधी संलिप्तता उजागर हुई है। आरोप है कि डॉ. अमित तिवारी की एनओसी के लिए डेढ़ लाख रुपये की वसूली की गई, जिसे डॉ. जन्मेजय तिवारी के माध्यम से महाविद्यालय अध्यक्ष तक पहुंचाया गया।

जांच में पाया गया कि महाविद्यालय में कोई भी फाइल प्रमोशन, एकल स्थानांतरण या नियुक्ति तब तक आगे नहीं बढ़ती थी जब तक संबंधित व्यक्ति से तय राशि वसूल न कर ली जाए।स्थापना विभाग के दो कर्मचारियों प्रदीप श्रीवास्तव और राकेश श्रीवास्तव ने स्वीकार किया है कि वे स्वयं यह पैसा लेकर अध्यक्ष श्री दीपकृष्ण वर्मा के आवास (साकेत प्रिंटिंग प्रेस, खवासपुरा) तक पहुंचाते थे।

शिक्षकों के कबूलनामे...!

शिक्षा शास्त्र, चित्रकला, समाजशास्त्र, सैन्य विज्ञान, कॉमर्स और बीसीए विभागों के स्ववित्तपोषित शिक्षकों ने बयान दर्ज कराए हैं कि उनसे वेतनवृद्धि के बदले 2 लाख की वसूली हुई थी। डॉ. जितेन्द्र पाण्डेय के माध्यम से यह राशि अध्यक्ष को दी गई थी। बाद में जब कार्य नहीं हुआ और मामला खुलने लगा, तो पैसा लौटाया गया।

वेतनमान बढ़ाने की भी कीमत

राजेश मिश्र नामक कर्मचारी को उच्चीकृत वेतनमान देने के एवज में अध्यक्ष द्वारा ?15,000 की मांग की गई थी, जिसे संबंधित कर्मचारियों ने वसूलकर अध्यक्ष को पहुंचाया। 30 मई 2025 को गठित समिति ने विस्तृत जांच के बाद अपनी आख्या पत्रांक च.5.10053 दिनांक 23 जून 2025 को प्रस्तुत की।

वीडियो में दर्ज बयानों ने खोली पोल

सभी बयान लिखित रूप में लिए गए और वीडियो रिकॉर्डिंग के ज़रिए सुरक्षित किए गए। कई शिक्षकों ने कैमरे पर यह भी कहा कि काम न होने पर पैसा लौटा दिया गया। जिस संस्था में ज्ञान का प्रकाश फैलाया जाता है, वहां अब पैसों की बोली लग रही है। सवाल यह है कि क्या अब प्रमोशन के लिए परिश्रम नहीं, पैसा चाहिए? और क्या यह शिक्षा व्यवस्था की दीवारों में लग चुका दीमक है?

मेरा इस प्रकरण से कोई वास्ता नहीं है अध्यक्ष होने के नाते किसी ने हमसे पूछा कि ये काम कहाँ होता है तो हमने स्थापना भेज दिया। यह प्रकरण विश्वविद्यालय और प्रबंधक के बीच भ्रष्टाचार का है।मेरा इससे कोई लेना देना नही है।
डॉ जनमेजय तिवारी

अध्यक्ष
विश्वविद्यालय शिक्षक संघ

शिक्षक गरिमा पर चोट!

साकेत महाविद्यालय में प्रमोशन के नाम पर हुई अवैध वसूली में शिक्षक संघ के शीर्ष पदाधिकारी डॉ जनमेजय तिवारी की संलिप्तता बेहद शर्मनाक है। शिक्षक हित की रक्षा करने की बजाय वसूली का माध्यम बनना न केवल निंदनीय है, बल्कि शिक्षक समाज के विश्वास का अपमान भी है। तत्काल त्यागपत्र देकर पद से विरत हों - यही शिक्षक गरिमा की रक्षा का मार्ग है।

डॉ अनन्त राम सिंह, अध्यक्ष
डॉ त्रिभुवन नाथ मिश्रा, महामंत्री
अवध विश्वविद्यालय
स्ववित्तपोषित महाविद्यालय शिक्षक संघ

अफसरों के आवासों के बाहर लहराया पानी, निकासी व्यवस्था की खुली पोल!

» शहर में जल निकासी की कोई कारगर व्यवस्था नहीं दिखाई दी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। नगर निगम की लापरवाही एक बार फिर शहर की सड़कों पर बहती नजर आई इस बार निशाने पर कोई आम मोहल्ला नहीं, बल्कि वो इलाका था जहाँ शहर के उच्च पुलिस अधिकारी रहते हैं। शुक्रवार को हुई तेज बारिश ने व्यवस्थाओं की ऐसी बैंड बजाई कि डीआईजी से लेकर एसएसपी रैंक के अफसरों के आवास के बाहर तक पानी भर गया।

हैरानी की बात यह रही कि नगर निगम का मुख्यालय इस क्षेत्र से महज कुछ ही दूरी पर स्थित है, फिर भी जल निकासी की कोई कारगर व्यवस्था नहीं दिखाई दी।

सड़कें समंदर बनीं, मैदानों ने झील का रूप लिया, और आम लोग यही कहते नजर आए जब अफसरों की चौखट तक पानी पहुंच सकता है, तो हमारा क्या होगा?

स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उनका कहना है कि यदि सबसे सुरक्षित और संवेदनशील इलाका इस तरह जलमग्न हो सकता है, तो बाकी अयोध्या की हालत खुद समझ लीजिए। सवाल उठता है कि करोड़ों रुपये खर्च कर जो विकास के दावे किए जाते हैं, वो आखिर जाते कहाँ हैं? इस बारिश ने यह साबित कर दिया कि कागज़ों पर बन चुकी स्मार्ट सिटी, जमीन पर अभी भी पानी-पानी है। अफसरों का मौन और नगर निगम की खामोशी दोनों मिलकर शहर को डुबो रहे हैं। अब देखना है कि क्या यह पानी, प्रशासन की नींद भी बहाकर ले जाएगा, या अगली बारिश तक सब फिर से सूखा-सूखा खेलेंगे?

अटल क्लिनिक का नाम बदलने पर सियासत गरमाई

बीजेपी ने जताई नाराजगी तो कांग्रेस ने किया बचाव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रांची। झारखंड में अटल मोहल्ला क्लिनिकों का नाम बदलने पर विवाद हो रहा है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस फैसले पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि यह अटल बिहारी वाजपेयी का अपमान है। कांग्रेस ने सरकार के फैसले का बचाव किया है। कांग्रेस का कहना है कि मदर टेरेसा सेवा की प्रतिमूर्ति हैं।

झारखंड में अटल मोहल्ला क्लिनिकों का नाम बदलकर मदर टेरेसा के नाम पर करने के राज्य सरकार के फैसले पर नेता प्रतिपक्ष और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जैसी महान विभूति के प्रति कृतघ्नता ही नहीं, बल्कि राज्य सरकार के नैतिक पतन का भी उदाहरण है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवाल करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि क्या कैबिनेट के इस फैसले से स्वास्थ्य व्यवस्था में कोई ठोस सुधार होगा? क्या अब एंबुलेंस समय पर पहुंचेगी? क्या मोहल्ला क्लिनिक में इलाज की बेहतर सुविधा मिलेगी? उन्होंने कहा कि नाम बदलने से ज्यादा जरूरी है राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में बुनियादी सुधार करना, जो पूरी तरह चरमराई हुई है। आज भी गर्भवती महिलाओं को एम्बुलेंस नहीं मिलने पर रास्ते में ही प्रसव कराना पड़ता है। वृद्ध महिलाओं को खाट पर अस्पताल ले जाना पड़ता है और शव तक ढोने के लिए एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं है। इन बुनियादी समस्याओं को दूर करने के बजाय, सरकार केवल नाम बदलने की राजनीति कर रही है।

नई योजना शरू करें

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में मदर टेरेसा को सम्मान देना चाहती थी, तो उनके नाम पर कोई नई योजना शुरू कर सकती थी जो मरीजों को सहारा और सेवा दे सके, जो स्वयं मदर टेरेसा के जीवन का उद्देश्य था। लेकिन ऐसा करने के बजाय, हेमंत सरकार ने यहां भी राजनीतिक हित साधने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि 1999 में अटल जी ने झारखंड की धरती से जनता से वादा किया था कि यदि केंद्र में उनकी सरकार बनी, तो झारखंड के लोगों को अलग राज्य का उपहार देंगे, और उन्होंने अपना यह वादा निभाया।

कांग्रेस ने किया बचाव

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि मदर टेरेसा के नाम पर कोई स्वास्थ्य योजना शुरू होती है, तो यह केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को तकलीफक्यों हो रही है, ये समझ से परे है।

एंबुलेंस में शर्मनाक कांड

महिला पेशेंट के साथ ड्राइवर-टेक्नीशियन ने किया रेप

गया। बिहार के गया जिले में बेहद शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां होमगार्ड भर्ती की दौड़ में एक महिला बेहोश हो गई। इसके बाद आनन-फानन में उसे अस्पताल भेजने के लिए एंबुलेंस को कॉल किया गया। एंबुलेंस मौके पर आई और महिला को अस्पताल ले गई। इस दौरान रास्ते में एंबुलेंस के ड्राइवर और टेक्नीशियन ने महिला के साथ रेप किया। जब ये मामला सामने आया तो हड़कंप मच गया। पुलिस ने एंबुलेंस ड्राइवर, टेक्नीशियन को गिरफ्तार कर लिया।

दरअसल, यह घटना गुरुवार की है। यहां बोधगया क्षेत्र के बीएमपी 3 परेड ग्राउंड में होमगार्ड भर्ती चल रही है। इसके लिए पहुंची एक महिला दौड़ में शामिल होने आई थी। जब रेस हो रही थी, उसी दौरान महिला अभ्यर्थी बेहोश होकर गिर गई। आनन-फानन में घटनास्थल पर तैनात एंबुलेंस से इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पीड़िता ने डॉक्टरों को बताया कि अस्पताल ले जाने के दौरान चलती एंबुलेंस में रेप की घटना को अंजाम दिया गया।

इस मामले में घटना को गंभीरता से लेते हुए बोधगया एसडीपीओ सौरभ जायसवाल के नेतृत्व में स्पेशल टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने छापेमारी कर घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पेश की मिसाल

झांसी पुलिस लाइन में एडीजी आलोक सिंह का अनुकरणीय संदेश

"आप सिर्फ आरक्षी नहीं, उत्तर प्रदेश पुलिस के भविष्य हैं"

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया

झांसी। कानपुर जोन के तेजतर्रार एडीजी आलोक सिंह ने शुक्रवार को झांसी पुलिस लाइन में प्रशिक्षु पुलिसकर्मियों के साथ भोजन कर एक अद्भुत मिसाल पेश की। यह केवल एक सामूहिक भोज नहीं, बल्कि भावी पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणा, नेतृत्व और आत्मीयता का प्रतीक बन गया।

बड़ा खाना आयोजन के दौरान एडीजी आलोक सिंह ने न केवल आरक्षियों के साथ बैठकर भोजन किया, बल्कि उन्हें अपने हाथों से भोजन भी परोसा। यह दृश्य जवानों के मन में एक गहरी छाप छोड़ गया और उनमें टीम भावना, अनुशासन और आत्मसम्मान की भावना का संचार हुआ।

» आज की पीढ़ी ही उत्तर प्रदेश पुलिस की अगली रीढ़ है

» सामूहिक भोज प्रेरणा, नेतृत्व व आत्मीयता का प्रतीक बन गया

'खाकी पहनना सौभाग्य है, इसे सिर्फवर्दी न समझें': सबोधन के दौरान एडीजी आलोक सिंह ने कहा कि 'प्रशिक्षण केवल शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपको एक जिम्मेदार, संवेदनशील और समाजोन्मुख पुलिसकर्मी बनने की दिशा में तैयार करता है।'

उन्होंने प्रशिक्षुओं की कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी ही उत्तर प्रदेश पुलिस की अगली रीढ़ है। भोजन कार्यक्रम के बाद एडीजी ने डीआईजी केशव कुमार चौधरी, एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लॉ एंड ऑर्डर की समीक्षा बैठक की।

खास बातें

- प्रशिक्षु आरक्षियों संग आत्मीय संवाद
- वर्दी के महत्व को गहराई से समझाया
- संवेदनशील व जिम्मेदार पुलिसिंग पर जोर
- यह पहल बताती है कि पुलिस नेतृत्व यदि जमीनी हो, तो व्यवस्था में विश्वास और प्रेरणा दोनों पैदा होती है।